भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज में चल रहे हिन्दी पखवाड़ा का समापन कवि सम्मेलन के साथ हुआ। नारी शक्ति को समर्पित कार्यकम का शुभारम्भ उपस्थित प्रख्यात महिलाओं द्वारा दीप प्रज्जवलन करके किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने व्याख्यान में उपस्थित कवियित्रियों की सराहना करते हुए उनका स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन कवियित्री अनामिका पाण्डेय द्वारा किया गया। उन्होने सभा में उपस्थित श्रोताओं से राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने का आह्वान किया। कवियित्री अना इलाहाबादी ने हिन्दी को समर्पित रचना– ''बनेगी राष्ट्र की भाषा, वतन की शान हिन्दी है'' से काव्य पाठ की शुरुआत की। उन्होने नारी शक्ति पर अपनी एक रचना ''तू स्त्री है तो गर्व कर'' से सभा में जोश भर दिया। कवियित्री आकांक्षा बुन्देला ने ''बिछुड़न की सर्व घटाएं हैं, तो प्रीत कहां अब लिख दूं मै'', जैसी पंक्तियों से समा बांध दिया। प्रख्यात कवियित्री कविता कादम्बरी ने अपनी पंक्ति ''कभी इतने ऊंचे मत होना कि सर रखकर कोई रोना चाहे तो उसे लगानी पड़े सीढ़ियां'' से श्रोताओं के मन में बदलाव लाने का संदेश दिया। कवियित्री नेहा अपराजिता ने ''हम लड़कियां नहीं शनीचर है'', से महिलाओं के प्रति सामाजिक स्थिति से अवगत कराया। कवियित्री रूपम मिश्र ने ''राष्ट्र अधिनायक का चारागाह है'', से सभा को सम्बंधित किया। अंत में शिशिर सोमवंशी के नाम से प्रसिद्ध कवि डॉ. संजय सिंह ने अपनी कुछ पंक्तियां प्रस्तुत कीं। हिन्दी पखवाड़ा के मध्य राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा आशु भाषण, निबन्ध और श्रुतलेखन आदि का आयोजन किया गया, जिसके विजेताओं को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार वितरित किया गया। कार्यकम का सफल संचालन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, हिन्दी अधिकारी के मार्ग दर्शन में हरीश कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात आलोचक प्रवीण शेखर के साथ वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन कुमार गुप्ता, अम्बुज कुमार, अशोक कुमार एवं विभिन्न शोध छात्र आदि मौजूद थे।

राजभाषा प्रशस्ति कवि सम्मेलन
LIFE
27 सितम्बर 2023
हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह
नारी शक्ति को समर्पित

राजभाषा प्रशस्ति कवि सम्मेलन
LIFE
27 सितम्बर 2023
हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह
नारी शक्ति को समर्पित

राजभाषा प्रशस्ति कवि सम्मेलन
LIFE
27 सितम्बर 2023
हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह
नारी शक्ति को समर्पित
भा. वा. अ. शि. प.– पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र
CFRE -ERC

राजभाषा प्रशस्ति कवि सम्मेलन
LIFE
27 सितम्बर 2023
हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह
नारी शक्ति को समर्पित
भा. वा. अ. शि. प.– पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र

राजभाषा प्रशस्ति कवि सम्मेलन
LIFE
27 सितम्बर 2023
हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह
नारी शक्ति को समर्पित
भा. वा. अ. शि. प.– पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र

सहजसत्ता हिन्दी दैनिक
प्रयागराज, गुरुवार, 28 सितम्बर 2023
प्रयागराज

कवि सम्मेलन के साथ हिन्दी पखवाड़ा का समापन

प्रयागराज।पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र में चल रहे हिन्दी पखवाड़ा का समापन राजभाषा प्रशस्ति कवि सम्मेलन के साथ हुआ। नारी शक्ति को समर्पित कार्यक्रम का शुभारम्भ उपस्थित महिलाओं द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। केन्द्र प्रमुख डा. संजय सिंह द्वारा स्वागत भाषण में उपस्थित कवियित्रियों की सराहना करते हुए उनका स्वागत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रख्यात कवियित्री अनामिका पाण्डेय द्वारा उत्कृष्ट तरीके से किया गया। प्रख्यात कवियित्रियों ने स्वरचित पंक्तियों के माध्यम से श्रोताओं को सामाजिक कृत्यों के प्रति संदेश दिया तथा राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने हेतु आह्वान भी किया। युवा कवियित्री अना इलाहाबादी ने अपनी पंक्ति 'बनेगी राष्ट्र कि भाषा, वतन कि शान हिन्दी है', साथ ही उन्होंने नारी शक्ति पर अपनी एक रचना 'तू स्त्री है तो गर्व कर', से सभा में जोश भर दिया। प्रसिद्ध युवा कवियित्री आकांक्षा बुंदेला ने 'बिछुड़न की सर्व घटाएं हैं, तो प्रीत कहाँ अब लिख दूँ मैं', जैसी पंक्तियों से समा बांध दिया। प्रख्यात कवियित्री कविता कादम्बरी ने अपनी पंक्ति 'कभी इतने ऊँचे मत होना कि सिर रखकर कोई रोना चाहे तो उसे लगानी पड़े सीढ़ियाँ' से श्रोताओं में बदलाव लाने का सन्देश दिया।

प्रख्यात कवियित्री नेहा अपराजिता ने अपनी पंक्तियों में से 'हम लड़कियां नहीं शनीचर हैं', से महिलाओं के प्रति सामाजिक स्थिति से अवगत कराया। प्रसिद्ध कवियित्री रूपम मिश्र ने 'राष्ट्र अधिनायक का चारागाह है', से सभा को सम्बोधित किया। अंत में शिशिर सोमवंशी के नाम से प्रसिद्ध कवि डॉ. संजय सिंह ने अपनी कुछ पंक्तियाँ प्रस्तुत की। केन्द्र में चल रहे हिन्दी पखवाड़ा के मध्य राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा आशु भाषण, निबन्ध तथा श्रुतलेखन आदि का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए विजेताओं को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार वितरित किया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, हिन्दी अधिकारी के नेतृत्व में हरीश कुमार, अपर श्रेणी लिपिक के सहयोग से हिन्दी पखवाड़ा सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रवीण शेखर के साथ वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव तथा वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, अम्बूज कुमार, अशोक तथा कार्यालय के समस्त कर्मचारी एवं अन्य शोधार्थीगण आदि उपस्थित रहे।

मम्फोर्डगंज स्थित वन अनुसंधान केंद्र में बुधवार को नारी शक्ति को समर्पित कवि सम्मेलन में कविता पाठ करतीं नेहा अपराजिता । • हिन्दुस्तान

कवि सम्मेलन : रचनाओं से नारी शक्ति का वंदन

- वन अनुसंधान केंद्र में किया गया आयोजन
- कवयित्रियों ने हिंदी व नारी के महत्व को बताया

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। वन अनुसंधान केंद्र में बुधवार को हिंदी पखवाड़े के तहत नारी शक्ति को समर्पित कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस दौरान देशभर से आईं कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं से समाज में हिंदी व नारी के महत्व को बताया। कवि सम्मेलन की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुआ। केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रवीण शेखर रहे।

अना इलाहाबादी ने, 'बनेगी राष्ट्र कि भाषा, वतन कि शान हिंदी है', और 'तू स्त्री है तो गर्व कर', सुनाकर हिंदी और नारी दोनों के महत्व को बताया। कवयित्री आकांक्षा बुंदेला ने 'बिछुड़न की सर्व घटाएं हैं, तो प्रीत कहां अब लिख दूं मैं' सुनाकर वाहवाही बटोरी। कविता कादम्बरी ने, 'कभी इतने ऊंचे मत होना कि सिर रखकर कोई रोना चाहे तो, उसे लगानी पड़े सीढ़ियां, सुनाई। नेहा अपराजिता ने, 'हम लड़कियां नहीं शनीचर हैं', सुनाकर महिलाओं की सामाजिक स्थिति को बताया। रूपम मिश्र ने, 'राष्ट्र अधिनायक का चारागाह है' सुनाया। डॉ. संजय सिंह 'शिशिर सोमवंशी ने अपनी कुछ पंक्तियां प्रस्तुत कीं। पखवाड़ेभर तमाम प्रतियोगिताएं हुई, जिसके विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, हरीश कुमार ने विशेष योगदान दिया। इस दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एसडी शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेंद्र कुमार, अंबुज कुमार, अशोक आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन कवयित्री अनामिका पांडेय ने किया।

कवि सम्मेलन के साथ हिंदी पखवाड़े का समापन

जासं, प्रयागराज : पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र में चल रहे हिंदी पखवाड़ा का समापन कवि सम्मेलन के साथ हुआ। नारी शक्ति को समर्पित कार्यक्रम का शुभारंभ महिलाओं ने किया। केंद्र प्रमुख डा. संजय सिंह ने स्वागत भाषण में उपस्थित कवियित्रियों की सराहना करते हुए उनका स्वागत किया। संचालन कवियित्री अनामिका पांडेय ने किया। उन्होंने राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए आह्वान किया।

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र में चल रहे हिंदी पखवाड़ा के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल लोग • सौ. मीडिया प्रभारी

कवियित्री अना इलाहाबादी ने पढ़ा "बनेगी राष्ट्र कि भाषा, वतन कि शान हिन्दी है"। उन्होंने नारी शक्ति पर अपनी एक रचना "तू स्त्री है तो गर्व कर", से सभा में जोश भर दिया। कवियित्री आकांक्षा बुंदेला ने "बिछुड़न की सर्व घटाएं हैं, तो प्रीत कहां अब लिख दूं मैं", जैसी पंक्तियों से समा बांध दिया। कवियित्री कविता कादम्बरी ने अपनी पंक्ति "कभी इतने ऊंचे मत होना कि सिर रखकर कोई रोना चाहे तो उसे लगानी पड़े सीढ़ियां" से श्रोताओं में बदलाव लाने का संदेश दिया। कवियित्री नेहा अपराजिता ने "हम लड़कियां नहीं शनीचर हैं", से महिलाओं के प्रति सामाजिक स्थिति से अवगत कराया। कवियित्री रूपम मिश्र ने "राष्ट्र अधिनायक का चारागाह है", से सभा को संबाधित किया। अंत में शिशिर सोमवंशी के नाम से प्रसिद्ध कवि डॉ. संजय सिंह ने अपनी कुछ पंक्तियां प्रस्तुत की। हिंदी पखवाड़ा के मध्य राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए

प्रयागराज, गुरूवार, 28 सितम्बर 2023
सहज शक्ति

कवि सम्मेलन के साथ हिन्दी पखवाड़ा का समापन संपन्न

कार्यालय संवाददाता
प्रयागराज । (सहज शक्ति)भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र में चल रहे हिन्दी पखवाड़ा का समापन राजभाषा प्रशस्ति कवि सम्मेलन के साथ हुआ। नारी शक्ति को समर्पित कार्यक्रम का शुभारम्भ उपस्थित महिलाओं द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। केन्द्र प्रमुख डा. संजय सिंह द्वारा स्वागत भाषण में उपस्थित कवियित्रियों की सराहना करते हुए उनका स्वागत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रख्यात कवियित्री अनामिका पाण्डेय द्वारा उत्कृष्ट तरीके से किया गया। प्रख्यात कवियित्रियों ने स्वरचित पंक्तियों के माध्यम से श्रोताओं को सामाजिक कृत्यों के प्रति संदेश दिया तथा राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने हेतु आह्वान भी किया। युवा कवियित्री अना इलाहाबादी ने अपनी पंक्ति 'बनेगी राष्ट्र कि भाषा, वतन कि शान हिन्दी है', साथ ही उन्होंने नारी शक्ति पर अपनी एक रचना 'तू स्त्री है तो गर्व कर', से सभा में जोश भर दिया। प्रसिद्ध युवा कवियित्री आकांक्षा बुंदेला ने 'बिछुड़न की सर्व घटाएं हैं, तो प्रीत कहाँ अब लिख दूँ मैं', जैसी पंक्तियों से समा बांध दिया। प्रख्यात कवियित्री कविता कादम्बरी ने अपनी पंक्ति 'कभी इतने ऊँचे मत होना कि सिर रखकर कोई रोना चाहे तो उसे लगानी पड़े सीढ़ियाँ' से श्रोताओं में बदलाव लाने का सन्देश दिया।

प्रख्यात कवियित्री नेहा अपराजिता ने अपनी पंक्तियों में से 'हम लड़कियां नहीं शनीचर हैं', से महिलाओं के प्रति सामाजिक स्थिति से अवगत कराया। प्रसिद्ध कवियित्री रूपम मिश्र ने 'राष्ट्र अधिनायक का चारागाह है', से सभा को सम्बोधित किया। अंत में शिशिर सोमवंशी के नाम से प्रसिद्ध कवि डॉ. संजय सिंह ने अपनी कुछ पंक्तियाँ प्रस्तुत की। केन्द्र में चल रहे हिन्दी पखवाड़ा के मध्य राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा आशु भाषण, निबन्ध तथा श्रुतलेखन आदि का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए विजेताओं को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार वितरित किया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, हिन्दी अधिकारी के नेतृत्व में हरीश कुमार, अपर श्रेणी लिपिक के सहयोग से हिन्दी पखवाड़ा सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रवीण शेखर के साथ वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव तथा वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, अम्बूज कुमार, अशोक तथा कार्यालय के समस्त कर्मचारी एवं अन्य शोधार्थी उपस्थित थे।

कवि सम्मेलन के साथ हिन्दी पखवाड़ा का समापन

उर्ध्व नेत्र
प्रयागराज। बुधवार को भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र में चल रहे हिन्दी पखवाड़ा का समापन राजभाषा प्रशस्ति कवि सम्मेलन के साथ हुआ।

नारी शक्ति को समर्पित कार्यक्रम का शुभारम्भ उपस्थित महिलाओं ने दीप प्रज्वलन कर किया।इस अवसर पर केन्द्र प्रमुख डा. संजय सिंह स्वागत भाषण में उपस्थित कवियित्रियों की सराहना करते हुए उनका स्वागत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रख्यात कवियित्री अनामिका पाण्डेय ने किया।प्रख्यात कवियित्रियों ने स्वरचित पंक्तियों के माध्यम से श्रोताओं को सामाजिक कृत्यों के प्रति संदेश दिया तथा राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने हेतु आह्वान भी किया।

युवा कवियित्री अना इलाहाबादी ने अपनी पंक्ति 'बनेगी राष्ट्र कि भाषा, वतन कि शान हिन्दी है', साथ ही उन्होंने नारी शक्ति पर अपनी एक रचना 'तू स्त्री है तो गर्व कर', से सभा में जोश भर दिया। प्रसिद्ध युवा कवियित्री आकांक्षा बुंदेला ने 'बिछुड़न की सर्व घटाएं हैं, तो प्रीत कहाँ अब लिख दूँ मैं', जैसी पंक्तियों से समा बांध दिया। प्रख्यात कवियित्री कविता कादम्बरी ने अपनी पंक्ति 'कभी इतने ऊँचे मत होना कि सिर रखकर कोई रोना चाहे तो उसे लगानी पड़े सीढ़ियाँ' से श्रोताओं में बदलाव लाने का सन्देश दिया।

प्रख्यात कवियित्री नेहा अपराजिता ने अपनी पंक्तियों में से 'हम लड़कियां नहीं शनीचर हैं', से महिलाओं के प्रति सामाजिक स्थिति से अवगत कराया। प्रसिद्ध कवियित्री रूपम मिश्र ने 'राष्ट्र अधिनायक का चारागाह है', से सभा को सम्बोधित किया।

अंत में शिशिर सोमवंशी के नाम से प्रसिद्ध कवि डॉ. संजय सिंह ने अपनी कुछ पंक्तियाँ प्रस्तुत की। केन्द्र में चल रहे हिन्दी पखवाड़ा के मध्य राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा आशु भाषण, निबन्ध तथा श्रुतलेखन आदि का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए विजेताओं को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार वितरित किया गया।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, हिन्दी अधिकारी के नेतृत्व में हरीश कुमार, अपर श्रेणी लिपिक के सहयोग से हिन्दी पखवाड़ा सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रवीण शेखर के साथ वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव तथा वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, अम्बूज कुमार, अशोक तथा कार्यालय के समस्त कर्मचारी एवं अन्य शोधार्थीगण आदि उपस्थित रहे।